सामाजिक विज्ञान विषय कोड : 087
अंकन योजना
कक्षा-दसवीं (2025-26)

प्र. क्र.	संभावित उत्तर	अंक
1.	**(1)** क- 4, ख-1, ग-2, घ-3	1
2.	**(ख)** बाल गंगाधर तिलक **-अथवा-** **(ख)** काउंसिल राजनीति में लौटने के लिए	1
3.	**(क)** व्यापक गरीबी और घातक बीमारियों के कारण	1
4.	**(ख)** निरंकुश संस्थान जैसे चर्च और राजशाही	1
5.	**(क)** **1.**भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में चीनी पॉटरी, कपड़े व मसाले इसी रास्ते से जाते थे। वापसी में सोने चांदी जैसी कीमती धातुएं यूरोप से एशिया आती थी। **2.**व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान साथ-साथ चलता था। सिल्क मार्ग की विविध शिखाओं से बौद्ध धर्म अनेक दिशाओं में फैल चुका था। **3.**शुरुआत में इसाई मिशनरी इसी मार्ग से एशिया में आए थे और मुस्लिम प्रचारक भी इसी मार्ग से दुनिया में फैले थे। **-अथवा-** **(ख)** **1.**कभी-कभी आलू जैसे नयी फसलें जीवन और मृत्यु के बीच अंतर पैदा कर सकती हैं। आलू की फसल को शुरू करने से यूरोप के लोग अच्छी तरह से खाने और लम्बा जीवन जीने लगे। **2.**आयरलैंड के गरीब किसान आलूओं पर इतना निर्भर हो गए थे कि 1840 के दशक के मध्य में जब किसी बीमारी के कारण आलू की फसल नष्ट हो गई तो हजारों किसान भूख के कारण मर गए।	2
6.	**1.आकृति अथवा छवि** : भारत की पहचान भारत माता की छवि का रूप लेने लगी है। इस छवि का निर्माण बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने किया था। रबीन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की प्रसिद्ध छवि को चित्रित किया था। इस पेंटिंग में भारत माता को एक संन्यासिनी के रूप में दर्शाया गया है जो शांत, गंभीर, दैवी और आध्यात्मिक गुणों से युक्त दिखाई देती है। **2.गीत**: बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने मातृभूमि की स्तुति में 'वंदे मातरम' गीत लिखा। इसको उसके उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया गया और बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान इसको खूब गाया जाता था। **3.लोक कथाएं**: भारतीय लोककथाओं को पुर्नजीवित किया गया। उन्नीसवीं सदी के आखिर में राष्ट्रवादियों ने भाटो एवं चरणों द्वारा गाई-सुनाई वाली जाने लोक कथाओं को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया और उन्होंने गांव-गांव घूम कर लोकगीत और श्रुतियों को एकत्र किया। इन कथाओं ने पारंपरिक संस्कृति की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत की। इसने हमारे अतीत पर गर्व की भावना को जगाने में सहायता प्रदान की। रवींद्र नाथ टैगोर ने स्वयं लोकगाथा, बाल गीत और मिथकों को इकट्ठा करना शुरू किया और लोक कथाओं को पुनर्जीवित करने के आंदोलन को शुरू किया। मद्रास में नटेसा शास्त्री ने तमिल लोक कथाओं के चार बड़े खण्डों का संग्रह 'फोकलोर्स ऑफ सदर्न इंडिया' का प्रकाशन किया। **4.झंडा (ध्वज) : (क)** बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगे झंडे (लाल, हरा और सफेद) को डिजाइन गया । इसमें ब्रिटिश इंडिया के आठ प्रान्तों को दर्शाने के लिए आठ कमल के फूल तथा हिंदू और मुस्लिमों को दर्शाने के लिए अर्धचन्द्र बनाया गया।	3x1=3

	(ख). 1921 तक गांधी ने स्वराज झंडे को डिजाइन कर लिया था। यह भी तीन रंग का झंडा था (लाल, हरा और सफेद) जिसके बीच में चरखा था जो गांधीवाद के 'स्वयं सहायता' का प्रतिनिधित्व करता था। यात्राओं के दौरान इस झंडे को लेकर चलना, ऊंचा उठाना विरोध का प्रतीक बन गया था। **5.इतिहास की पुर्नव्याख्या:** भारत ने अपनी महान उपलब्धियों के लिए अपने अतीत में झांकना शुरू किया। उन्होंने कला, वास्तुकला, विज्ञान और गणित, कानून, दर्शन इत्यादि के बारे में लिखा। भारतीयों को अपने अतीत की महान उपलब्धियां पर गर्व करने और ब्रिटिश शासन के अंतर्गत अपनी दुर्दशा को बदलने का आह्वान किया। **(कोई तीन बिंदु)** **(ख)** **1.** उपनिवेशवाद के विरुद्ध नमक प्रतिरोध निम्नलिखित कारणों से एक प्रभावी यंत्र बन गया। गांधी जी को नमक में परस्पर जोड़ने वाला एक शक्तिशाली प्रतीक दिखाई दिया क्योंकि अमीर और गरीब सभी इसका एक सामान प्रयोग करते हैं। **2.**गांधी जी द्वारा वायसराय को लिखे पत्र में गांधीजी ने ग्यारह मांगे लिखीं। उनमें से अधिकांश सामान्य हित की थीं परंतु सबसे उत्तेजक मांग औपनिवेशिक सरकार द्वारा नमक कर को हटाना था। **3.**बातचीत में इरविन की अनिच्छा ने गांधी जी को नमक यात्रा शुरू करने पर विवश किया जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। इसने राष्ट्रवाद की भावना को विकसित किया। **4.**देश के अलग-अलग भागों में लोगों ने नमक कानून को तोड़ा और सरकारी नमक फैक्ट्रियों के सामने नमक बनाया। **5.**लोगों ने एकजुट होकर गांधी के शब्दों का अनुसरण किया। उन्होंने कर एवं राजस्व देने से इंकार किया। शराब की दुकानों का घेराव किया, विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया, सरकारी नौकरियों से त्यागपत्र दिए और वन कानूनों का उल्लंघन किया। **(कोई तीन बिंदु)**	
7.	**(क)** **1.**ब्रिटेन में राष्ट्र राज्यों का निर्माण किसी अचानक हुई उथल-पुथल अथवा क्रांति का परिणाम नहीं था। ब्रिटेन में रहने वाले लोगों की अपनी प्राथमिक पहचान जातीय आधार पर थी जैसे इंग्लिश, वेल्श, स्कॉट अथवा आइरिश। **2.**इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच 'द एक्ट आफ़ यूनियन 1707' का परिणाम यूनाइटेड किंगडम ऑफ द ग्रेट ब्रिटेन बनना था, जिसका अर्थ है कि इंग्लैंड, स्कॉटलैंड की अलग संस्कृति पर प्रभाव डाल सकता था और राजनीतिक संस्थाओं को व्यवस्थित ढंग से दबा सकता था । **3.**स्कॉटिश हाइलैण्डर्स को अपनी भाषा बोलने, अथवा अपनी राष्ट्रीय वेशभूषा पहनने की मनाही थी और उनको बड़ी संख्या में उनके होमलैंड से बाहर निकाल दिया गया। **4.**अंग्रेजों ने आयरलैंड के प्रोटेस्टेंट की कैथॉलिक देश पर अपना प्रभुत्व कायम करने में सहायता की। ब्रिटिश प्रभुत्व के विरुद्ध विद्रोहों को दबा दिया गया। आयरलैंड को बलपूर्वक 1801 में यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया । **5.**नए ब्रिटेन के प्रतीकों- ब्रिटिश झंडा, राष्ट्रीय गान, अंग्रेजी भाषा को सक्रियता से बढ़ाया गया ताकि पुराने राष्ट्र इस संघ में अधीन भागीदार के रूप में जीवित रह सके। **-अथवा-** **(ख)** **1.**बोरबान वंश जिसे फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हटा दिया गया था, वह पुन: सत्ता में आ गया और फ्रांस ने नेपोलियन के शासन में अधिग्रहित क्षेत्र खो दिए।	**5x1=5**

	2.भविष्य में फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए फ्रांस की सीमाओं पर अनेक राज्यों को स्थापित कर दिया गया। उत्तर में नीदरलैंड स्थापित किया गया जिसमें बेल्जियम शामिल था और दक्षिण में जेनेआ को पीडमेण्ट में शामिल कर दिया गया। **3.**प्रशिया (Prussia) को पश्चिमी फ्रंट पर नए महत्वपूर्ण क्षेत्र दिए गए जबकि आस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया। **4.**नेपोलियन द्वारा स्थापित 39 राज्यों के जर्मन महासंघ को नहीं छुआ गया। पूर्व में रूस को पोलैंड का एक भाग दिया गया जबकि प्रशिया को सैक्सोनी का एक हिस्सा दिया गया। **5.**मुख्य उद्देश्य नेपोलियन द्वारा उखाड़े गए राजाओं को पुनः स्थापित करके यूरोप में एक नयी कंजर्वेटिव व्यवस्था को तैयार करना था।	
8.	**8.1.** कृष्णा जी जनता को जानकारी देने एवं राजनीति, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों की महत्वपूर्ण सूचनाएं देने के लिए अखबार प्रकाशित करना चाहता है। **8.2.** सरकारी नीतियों की आलोचना और विश्लेषण के लिए स्थानीय समाचार पत्रों और राजनीतिक संगठनों का इस्तेमाल किया जाता था। नतीजतन, ये दोनों ही सरकार के विपक्ष के रूप में काम करते थे। **8.3.** 19वीं शताब्दी में समाचार-पत्रों की लोकप्रियता के कारण इस प्रकार हैं: **i.** देश में राजनीतिक घटनाक्रमों में समाज के एक बड़े हिस्से की दिलचस्पी बढ़ने लगी और यह जानकारी समाचार-पत्रों में कुशलतापूर्वक प्रस्तुत की जाने लगी। **ii.** समाचार-पत्रों ने सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक प्रगति के स्रोत के रूप में काम करना शुरू कर दिया।	**1** **1** **2**
9.	मानचित्र पर उत्तर लिखे हुए है। (दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नों के उत्तर भी समान हैं — हालांकि केवल स्थानों के नाम बताना आवश्यक है।)	1
10.	**(ग)** प्रौद्योगिक विकास और संस्थानिक परिवर्तन ।	**1**
11.	**(घ)** काली मिट्टी और लेटराइट मिट्टी	**1**
12.	**(क)**शिकार प्रजातियों में कमी के कारण बाघों की भोजन आपूर्ति का कम होना	**1**
13.	**(क)** इन स्थानों पर अधिकांशतः वनों को संरक्षण के लिए आरक्षित या संरक्षित वनों के रूप में प्रबंधित किया जाता है।	**1**
14.	**(घ)** तमिलनाडु	**1**
15.	**(ख)** सिंचाई की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना तथा किसानों के लिए सतत पोषणीय जल संरक्षण की आदत निर्मित करना।	**1**
16.	**जलवायु एवं सिंचाई: -** हरियाणा और पंजाब में सिंचाई की अच्छी प्रकार से विकसित व्यवस्था है। जैसे (सतलुज-यमुना लिंक नहर) जिससे धान की व्यावसायिक कृषि हो सकती है। जलवायु उच्च उत्पादकता वाली फसलों के अनुकूल है और सिंचाई व्यवस्था से पर्याप्त पानी प्राप्त होता है। इसके विपरीत ओड़िशा में मानसून जलवायु की अधिकता है परंतु जब चावल की खेती की जाती है तो वह स्थानीय उपभोग एवं वर्षा पर निर्भर करती है। बड़े पैमाने पर सिंचाई व्यवस्था न होने के कारण इसको व्यावसायिक फसल के रूप में पैदा करना सीमित हो जाता है।	**2x1=2**

	आर्थिक कारण (मार्किट तक पहुंच) पंजाब और हरियाणा में चावल की व्यावसायिक उद्देश्य से खेती होती है ताकि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मांग को पूरा किया जा सके। इन राज्यों में बाजारों की निकटता, परिवहन प्रणाली और सरकारी खरीद के कारण अतिरिक्त चावल का निर्यात किया जाता है। ओड़िशा में चावल केवल व्यक्तिगत अथवा स्थानीय उपभोग के लिए पैदा किए जाते हैं क्योंकि बड़े बाजारों तक पहुंच न होने के कारण यह लाभकारी फसल बनने के बजाय जीविका फसल बन जाती है। **खेती के प्रकार: -** पंजाब और हरियाणा में खेती के आधुनिक तकनीक और मशीनों का प्रयोग किया जाता है तथा व्यावसायिक कृषि के लिए उच्च उत्पादकता वाले बीजों का प्रयोग किया जाता है। ओड़िशा में चावल की खेती पारंपरिक तरीके से परिवार की आवश्यकता पर केंद्रित होती है, न कि बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए जिससे इसकी जीविका कृषि की प्रकृति प्रदर्शित होती है। (कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु) (कोई दो)	

17.	**(क)**
	(1) वर्ष 2016-17 में ओड़िशा बॉक्साइट उत्पादन में एक अग्रणी राज्य था। कोरापुट में पंचपतमाली में बॉक्साइट निक्षेप राज्य में सबसे महत्वपूर्ण बॉक्साइट निक्षेप हैं।
	(2) एल्यूमिनियम को भी बॉक्साइट से ही प्राप्त किया जाता है जो ओड़िशा में अधिक पाया जाता है।
	(3) यहां उद्योग स्थापित करने में कच्चे माल की ढुलाई का खर्च बचेगा और यहां श्रम की दर भी अपेक्षाकृत कम है। अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु (कोई तीन)
	अथवा
	(ख) महत्व (Significance):
	• इसका उपयोग विद्युत उत्पादन (पावर जनरेशन) के लिए किया जाता है।
	• यह उद्योगों को तथा घरेलू आवश्यकताओं के लिए ऊर्जा की आपूर्ति करता है।
	• भारत अपने वाणिज्यिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयले पर अत्यधिक निर्भर है, जैसे कि धातुकर्म (metallurgy) में।
	• **कोई अन्य उपयुक्त बिंदु:**
	  ○ कोयला रेलवे इंजन और ईंट भट्टों में भी ईंधन के रूप में उपयोग होता है।
	  ○ कोयला रासायनिक उद्योगों में कच्चे माल के रूप में भी प्रयुक्त होता है।
	कोयले की किस्में (Variety of coal types):
	कोयला, संपीड़न (compression) की मात्रा, दबाव, गहराई और समय के आधार पर विभिन्न प्रकारों में पाया जाता है।
	1. **पीट (Peat):** दलदलों (swamps) में सड़ते-गलते पौधों से बनता है। इसमें कार्बन की मात्रा कम, नमी अधिक होती है और इसकी ऊष्मा क्षमता (heating capacity) भी कम होती है।
	2. **लिग्नाइट (Lignite):** यह निम्न श्रेणी का भूरा कोयला है, जो नरम होता है और इसमें अधिक नमी होती है। इसके मुख्य भंडार तमिलनाडु के नेवेली में हैं, और इसका उपयोग मुख्यतः बिजली उत्पादन में होता है।
	3. **बिटुमिनस कोयला (Bituminous Coal):** यह गहराई में दबे कोयले का रूप है जो उच्च तापमान के संपर्क में आता है। यह व्यापारिक उपयोग में सबसे अधिक लोकप्रिय कोयला है। धातुकर्मीय कोयला (Metallurgical Coal) उच्च श्रेणी का बिटुमिनस कोयला होता है, जिसका उपयोग ब्लास्ट फर्नेस में लोहा गलाने में किया जाता है।
	4. **एंथ्रासाइट (Anthracite):** यह सबसे उच्च गुणवत्ता वाला कठोर कोयला है।
		5x1=5

18.	**18.1** गहन सामग्री उत्पादन और उपभोग के कारण। **18.2** विनिर्माण उद्योग मुख्य रूप से निम्नलिखित के लिए जिम्मेदार हैं: 1. **वायु प्रदूषण** – रासायनिक और कागज़ फैक्ट्रियों, ईंट भट्टों, रिफ़ाइनरियों और स्मेल्टिंग संयंत्रों से धुआं निकलता है। इसके अलावा, बड़ी और छोटी फैक्ट्रियों में प्रदूषण मानकों की अनदेखी करते हुए जीवाश्म ईंधनों का जलाया जाना भी एक बड़ा कारण है। विषैली गैसों का रिसाव दीर्घकालिक खतरनाक प्रभाव डाल सकता है। 2. **जल प्रदूषण** – यह जैविक और अजैविक औद्योगिक अपशिष्टों और मल को नदियों में छोड़े जाने से होता है। इसके प्रमुख दोषी कागज़, लुगदी, रसायन, वस्त्र और रंगाई, पेट्रोलियम रिफ़ाइनरी, चमड़ा उद्योग (टैनेरी) और विद्युत चढ़ाई उद्योग हैं, जो रंग, डिटर्जेंट, अम्ल, लवण, सीसा और पारे जैसे भारी धातुएं, कीटनाशक, उर्वरक, सिंथेटिक कार्बन युक्त रसायन, प्लास्टिक और रबर आदि जल स्रोतों में छोड़ते हैं। 3. **ऊष्मीय प्रदूषण** – जब फैक्ट्रियों और ताप विद्युत संयंत्रों से गर्म पानी ठंडा किए बिना नदियों और तालाबों में छोड़ा जाता है, तब जल का तापमान बढ़ जाता है, जिससे जल जीवों को नुकसान होता है। 4. **कचरे का फेंका जाना** – विशेषकर कांच, हानिकारक रसायन, औद्योगिक अपशिष्ट, पैकिंग सामग्री, लवण और कचरा आदि मिट्टी को अनुपयोगी बना देते हैं। 5. **वर्षा जल के माध्यम से प्रदूषण** – वर्षा जल मिट्टी में रिसकर प्रदूषकों को भूमिगत जल तक ले जाता है, जिससे भूजल भी प्रदूषित हो जाता है। 6. **ध्वनि प्रदूषण** – औद्योगिक और निर्माण कार्यों, मशीनरी, फैक्टरी उपकरण, जनरेटर, आरा मशीनें तथा वायवीय और विद्युत ड्रिल मशीनें अत्यधिक शोर उत्पन्न करती हैं। **(कोई भी दो बिंदु उपयुक्त उत्तर के रूप में दिए जा सकते हैं।)** **18.3** गरीब लोग प्रदूषण के नकारात्मक प्रभावों से खुद को बचाने में सक्षम नहीं होते हैं, इसलिए वे ही सबसे अधिक पीड़ित होते हैं। यह स्थिति गरीबी के दुष्प्रभावों के कारण सामाजिक असमानता को भी जन्म देती है। (इसे एक उदाहरण की सहायता से समझाया जा सकता है।) अध्याय 6: विनिर्माण उद्योग	**4**
19.	मानचित्र पर उत्तर लिखे हुए है। (दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्नों के उत्तर भी समान हैं — हालांकि केवल स्थानों के नाम बताना आवश्यक है।)	**3**
20.	**(ख)** iii और iv	**1**
21.	**(क)** सत्ता का कुछ हाथों में केंद्रित होना **दृष्टीबाधित छात्रों हेतु** **(घ)** ii एवं iii	**1**
22.	**(ख)** नहीं, क्योंकि मुद्रा संघीय सूची का विषय है	**1**
23.	**(क)** अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सही हैं तथा कारण (आर) अभिकथन (ए) की सही व्याख्या है।	**1**
24.	**संघवाद की विशेषताएं-** **1.** सरकार के दो या अधिक स्तर (या स्तर) होते हैं।	**2x1=2**

	2. सरकार के विभिन्न स्तर एक ही नागरिकों पर शासन करते हैं, लेकिन कानून, कराधान और प्रशासन के विशिष्ट मामलों में प्रत्येक स्तर का अपना अधिकार क्षेत्र होता है। **3.** सरकार के संबंधित स्तरों या स्तरों के अधिकार क्षेत्र संविधान में निर्दिष्ट हैं। इसलिए सरकार के प्रत्येक स्तर के अस्तित्व और अधिकार की संवैधानिक गारंटी है। **4.** संविधान के मूल प्रावधानों को सरकार के एक स्तर द्वारा एकतरफा रूप से नहीं बदला जा सकता है। ऐसे परिवर्तनों के लिए सरकार के दोनों स्तरों की सहमति की आवश्यकता होती है। **5.** न्यायालयों के पास संविधान और सरकार के विभिन्न स्तरों की शक्तियों की व्याख्या करने की शक्ति है। यदि सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच अपनी-अपनी शक्तियों के प्रयोग में विवाद उत्पन्न होते हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है। **6.** सरकार के प्रत्येक स्तर के लिए राजस्व के स्रोत स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट हैं ताकि इसकी वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। **7.** इस प्रकार संघीय प्रणाली के दोहरे उद्देश्य हैं: देश की एकता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना, साथ ही साथ क्षेत्रीय विविधता को समायोजित करना। इसलिए, संघवाद की संस्थाओं और व्यवहार के लिए दो पहलू महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न स्तरों पर सरकारों को सत्ता के बंटवारे के कुछ नियमों पर सहमत होना चाहिए। उन्हें यह भी भरोसा होना चाहिए कि प्रत्येक सरकार समझौते के अपने हिस्से का पालन करेगी। एक आदर्श संघीय व्यवस्था में दोनों पहलू होते हैं: आपसी विश्वास और साथ रहने की सहमति। (विचार करने के लिए कोई दो बिंदु)	
25.	**1.** शिक्षा- महिलाओं की साक्षरता दर केवल 54% है जबकि पुरुषों में साक्षरता दर 76% है। माता-पिता अपने संसाधनों को अपनी बेटियों के बजाय बेटों पर खर्च करने को प्राथमिकता देते हैं। **2.**उच्च वेतनमान और सम्मानित नौकरियों में महिलाओं की हिस्सेदारी काफी कम है। भले ही एक महिला किसी पुरुष से अधिक घंटे काम करें तो भी उसके काम को महत्व नहीं दिया जाता। इसके परिणाम स्वरुप महिलाओं के लिए कम वेतन और कम महत्व वाली नौकरियां ही बचती हैं। **3.**महिलाओं को पुरुषों से कम वेतन मिलता है। समान वेतन अधिनियम के बावजूद महिलाओं को वेतन कम दिया जाता है जबकि दोनों एक समान कार्य करते हैं। **4.**बेटों को वरीयता : भारत के अनेक भागों में मां-बाप को बेटों की इच्छा होती है वह बेटी को पैदा होने से पहले ही गर्भपात करने के तरीके खोज लेते हैं। इससे शिशु लिंगानुपात में कमी आई है। (927) **5.**कार्यस्थान पर शोषण एवं घरेलू हिंसा: महिलाओं को उनके कार्यस्थान पर शोषण और परेशान किया जाता है। घर पर भी उन्हें विभिन्न प्रकार की घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है। (कोई दो बिंदु)	**2x1=2**
26.	**1.**लोकतंत्र विभिन्न सामाजिक अंतरों को समायोजित करता है। उदाहरण के लिए बेल्जियम ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी जातीय समस्या को हल कर लिया और अंतरों का समाधान प्राप्त कर लिया। **2.**सभी लोकतंत्र प्राय: प्रतिस्पर्धा को संचालित करने के तरीके विकसित करते हैं जैसे चुनाव करवाना, सत्ता में भागीदारी इत्यादि। इस सामाजिक अंतर के कारण तनाव से हिंसा अथवा विस्फोट की सम्भावना हो जाती है। **3.**लोकतंत्र लोगों को आपसी अंतरों का सम्मान करने तथा परस्पर विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने की शिक्षा देता है। अलोकतांत्रिक देशों में शासक या तो आँखे मूंद लेते हैं या आंतरिक भेद को दबा देते हैं। उदाहरण के लिए श्रीलंका। लोकतांत्रिक शासनों की सकारात्मक शक्ति यह है कि वह सामाजिक अंतरों, विभाजनों और विवादों को नियंत्रण में रखने की योग्यता रखते हैं। **4.**लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं है। बहुसंख्यकों को सदैव अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर काम करने की जरूरत होती है ताकि सरकार सामान्य दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व कर सके।	**3x1=3**

	5.एक लोकतांत्रिक सरकार सुनिश्चित करती है कि बहुसंख्यक शासन धर्म, जाति अथवा भाषायी समूह इत्यादि के नाम पर निरंकुश न हो जाए। यह प्रदर्शित करने का प्रयास करती है कि प्रत्येक चुनाव में अलग लोग और अलग समूह बहुमत का निर्माण कर सकते हैं। लोकतन्त्र में प्रत्येक नागरिक के पास कभी न कभी बहुमत में होने का अवसर होता है। यह सब बातें सुनिश्चित करती है कि लोकतांत्रिक शासन शांतिपूर्ण और समरस जीवन की ओर ले जाए। (कोई तीन बिंदु)	
27.	**(क)** राजनीतिक पार्टियां किसी लोकतन्त्र की प्रभावी कार्यशैली को निर्मित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राजनीतिक पदों को भरने तथा राजनीतिक शक्ति को प्रयोग करने के लिए राजनीतिक दलों को कई कार्य करने पड़ते हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया- **1.**पार्टियां चुनाव लड़ती हैं। मुख्य रूप से चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों के बीच में होता है । भारत में पार्टी के बड़े नेता चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार चुनते हैं। **2.**पार्टियां अलग-अलग नीतियां और कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं। एक राय रखने वाली पार्टियां लोकतंत्र में इकट्ठा हुए सरकार को नीतियां बनाने के लिए दिशा दिखाती हैं। **3.**पार्टियां देश के लिए कानून बनाती हैं। कानूनों पर विधायिका में बहस होती है। इन्हें स्वीकार किया जाता है। **4.**चुनाव हार जाने वाली पार्टियां विपक्ष की भूमिका निभाती हैं। विपक्षी पार्टियां सरकार की असफलता अथवा गलत नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाती हैं। **5.**पार्टियां जनमत को आकार देती हैं। वे लोगों की समस्याएं हल करती हैं तथा उनसे जुड़े मुद्दों को उठाती हैं। **6.**पार्टियां सरकारी मशीनरी तथा कल्याणकारी योजनाओं तक लोगों को पहुँच प्रदान करती हैं। एक आम नागारिक के लिए सरकारी अधिकारी से बात करने के बजाय स्थानीय राजनीतिक नेता से बात करना आसान है। **-अथवा-** **(ख)** **1.**अधिकांश राजनीतिक दल अपनी कार्य प्रणाली के खुले और पारदर्शी तरीके नहीं अपनाती हैं। इसलिए एक साधारण कार्यकर्ता के लिए पार्टी के शिखर तक जाने के लिए बहुत कम तरीके होते हैं। **2.**पार्टी के नेताओं के पास यह लाभ होता है कि वे अपने निकट के लोगों अथवा अपने परिवार के सदस्यों का पक्ष लेते हैं। **3.**भारत में कई पार्टियों में हम पारिवारिक उत्तराधिकार देखते हैं। पार्टी के ऊंचे पद पर हमेशा एक विशेष परिवार के सदस्यों का नियंत्रण में होता हैं। जबकि पार्टी के सदस्यों के साथ अन्याय है और लोकतंत्र के लिए खराब बात है। **4.**इसके कारण ऐसे लोगों को शक्तिशाली पद मिल जाते हैं जिन्हें न तो अनुभव होता है न ही जन समर्थन प्राप्त होता है। **5.**पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों के प्रति निष्ठा होने के बजाय नेताओं के प्रति निष्ठा अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखती है|	**5x1=5**

28.	**28.1** **(क)** तमिल को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देना **(ख)** क्षेत्रीय स्वायत्तता **(ग)** शिक्षा और नौकरियों में समान अवसर प्रदान करना **(इनमें से कोई एक बिंदु मान्य होगा।)** **28.2** श्रीलंका में बहुसंख्यकवादी सरकार ने तमिल और सिंहली समुदायों के बीच अविश्वास पैदा कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गृह युद्ध छिड़ गया। इस संघर्ष में दोनों समुदायों के हजारों लोग मारे गए और कई परिवारों को देश छोड़कर शरणार्थी बनना पड़ा। **28.3** **1.** संविधान में यह प्रावधान किया गया है कि केंद्र सरकार में डच और फ्रेंच बोलने वाले मंत्रियों की संख्या समान होगी। कुछ विशेष कानूनों को पारित करने के लिए प्रत्येक भाषाई समूह के बहुमत सदस्यों का समर्थन आवश्यक है। इस प्रकार कोई एक समुदाय अकेले निर्णय नहीं ले सकता। **2.** देश के दो क्षेत्रों की राज्य सरकारों को केंद्र सरकार की कई शक्तियाँ सौंप दी गई हैं। राज्य सरकारें केंद्र सरकार की अधीनस्थ नहीं हैं। **3.** ब्रुसेल्स के लिए एक अलग सरकार है जिसमें डच और फ्रेंच भाषी लोगों को समान प्रतिनिधित्व प्राप्त है। **4.** केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा एक तीसरे प्रकार की सरकार होती है जिसे 'समुदाय सरकार' कहा जाता है। यह सरकार डच, फ्रेंच और जर्मन भाषी लोगों द्वारा, चाहे वे देश के किसी भी हिस्से में रहते हों, चुनी जाती है। इस सरकार को सांस्कृतिक, शैक्षिक और भाषा से संबंधित विषयों पर अधिकार प्राप्त है। **(इनमें से कोई भी दो बिंदु मान्य होंगे।**	1 1 2
29.	**(क)** अपेक्षित से अधिक लोग एक कार्य में लगाए जाते हैं	1
30.	**(ग)** यह आर्थिक खुशहाली का बुनियादी अनुमान तो देता है परंतु आय की असमानता को छुपा देता है।	1
31.	**(ख)** एक फैक्ट्री जूते बनाती है तथा इसके लिए चमड़े जैसे कच्चे माल का उपयोग करती हैं तथा जूतों के वितरण के लिए परिवहन और परचून की दुकानों पर निर्भर करती है।	1
32.	**(ख)** रिजर्व बैंक आफ इंडिया	1
33.	**(क)** इससे व्यापार अधिक जटिल हो जाता है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति को वही चाहिए जो दूसरा व्यक्ति चाहता है, जिससे संभावित व्यापार साझेदारों की संख्या सीमित हो जाती है।	1
34.	**(घ)** 1-i, 2-iii, 3-ii, 4-iv	1
35.	**स्वास्थ्य की देखभाल और जल स्वास्थ्य:** सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, एक उत्पादक और स्वस्थ जनसंख्या को बनाए रखने के लिए मूलभूत आवश्यकता है । इससे मृत्यु दर में कमी,कार्यबल का कल्याण सुनिशिचत होता है तथा लोग देश की अर्थव्यवस्था में अच्छे ढंग से योगदान दे सकते हैं। स्वास्थ्य की देखभाल में कमी के कारण बीमारियों का बोझ बढ़ता है, जीवन प्रत्याशा कम होती है और आर्थिक अकुशलता प्रकट होती है। **शिक्षा और कौशल विकास:** सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली की सभी नागरिकों को बिना किसी सामाजिक-आर्थिक भेदभाव के समान शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यकता है । सुशिक्षित जनसंख्या से साक्षरता दर में वृद्धि, कौशल विकास	3x1=3

	तथा नवाचार को बल मिलता है जिससे आर्थिक उन्नति, असमानता को घटा कर सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाने में सहायता मिलती है। **सफाई और शुद्ध जल:** हैजा और दस्त जैसी बीमारियों को रोकने तथा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सफाई और शुद्ध पेयजल तक पहुंच काफी महत्वपूर्ण है। इससे जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य की देखभाल पर होने वाला खर्च तथा उत्पादकता बढ़ाने में विशेषता ग्रामीण और अल्पविकसित क्षेत्रों को सहायता प्राप्त होती है। **ढांचागत विकास:** सार्वजनिक संरचना के ढांचे जैसे सड़के, परिवहन और ऊर्जा, बाजारों, व्यापार और उद्योगों की कार्य प्रणाली को मजबूत बनाते हैं । यह कनेक्टिविटी को बढ़ाता है ,आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है और आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तक आसान पहुंच से व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। अथवा - कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई दो)	
36.	अनौपचारिक स्रोतों से ऋण लेने की ऊंची कीमत का अर्थ है कि ऋण लेने वाले की कमाई का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता है। अत: ऋण लेने वाले के पास अपने लिए कम आय बचती है। (जैसा हमने सोनपुर में श्यामल के बारे में देखा) -कुछ विशेष मामलों में ऋण लेने की उच्च ब्याज दर से ऋण लेने वाले को अपनी आय से अधिक राशि ऋण चुकाने पर खर्च करनी पड़ती है। इससे ऋण बढ़ने की समस्या पैदा होती है। (जैसे हमने सोनपुर में रामा के बारे में देखा) -इसके साथ ही जो लोग अपना उद्यम शुरू करना चाहते हैं, वे ऋण की ऊंची कीमत के कारण अपना उद्यम शुरू नहीं कर सकते । -इन कारणों से बैंकों एवं सहकारी समितियों को अधिक ऋण देना चाहिए। इससे आय में वृद्धि होगी और अनेक लोग अपनी विभिन्न ने जरूरतों के लिए सस्ती दर पर ऋण ले सकेंगे । -वे खेती, व्यापार अथवा लघु उद्योग स्थापित कर सकते हैं। वे नए उद्योग तथा वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं। सस्ता और किफ़ायती ऋण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। (कोई तीन) अथवा अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)	**3x1=3**
37.	**तीन कारक-** **i**-सूचना और संचार प्रद्यौगिकी का विकास **ii**-प्रौद्यौगिकी का आदान-प्रदान **iii**-देशों के बीच लोगों का आवागमन **iv**-विदेश व्यापार और विदेश नीति में उदारीकरण **v**-अन्य कोई प्रासंगिक कारक (किन्ही तीन की व्याख्या)	**3x1=3**
38.	**(क)** व्यक्ति **'म'** की कार्य स्थितियों में निम्नलिखित विशेषताएँ होंगी: **नियमित रोजगार:** श्रमिकों को रोजगार की निश्चित शर्तों के साथ सुनिश्चित, नियमित काम मिलता है। **सरकारी विनियमन**: उद्यम सरकार के साथ पंजीकृत होते हैं और कानूनी नियमों और विनियमों (जैसे, कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम) का पालन करते हैं। **रोजगार की सुरक्षा**: श्रमिकों को निश्चित कार्य घंटों और लाभों के साथ नौकरी की सुरक्षा मिलती है। **ओवरटाइम भुगतान** : यदि श्रमिक निश्चित घंटों से अधिक काम करते हैं, तो उन्हें ओवरटाइम का भुगतान किया जाता है।	**2½+2 ½=5**

कर्मचारी लाभ: श्रमिकों को सवेतन छुट्टी, छुट्टियाँ, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और चिकित्सा लाभ जैसे लाभ मिलते हैं।

सुरक्षित कार्य स्थितियाँ: नियोक्ताओं को सुरक्षित कार्य वातावरण (जैसे, स्वच्छ पेयजल) प्रदान करना आवश्यक है।

सेवानिवृत्ति लाभ: श्रमिक सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के हकदार होते हैं।

औपचारिक प्रक्रियाएँ: यह क्षेत्र रोजगार के लिए औपचारिक प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का पालन करता है।

व्यक्ति **'न'** की कार्य स्थितियों में निम्नलिखित विशेषताएँ होंगी:

अनियमित रोजगार: नौकरियाँ कम वेतन वाली और अक्सर अनियमित होती हैं, जिनमें निरंतर काम की कोई गारंटी नहीं होती।

सरकारी विनियमन का अभाव: यह क्षेत्र काफी हद तक सरकारी नियंत्रण से बाहर संचालित होता है, जिसमें बहुत कम या कोई कानूनी सुरक्षा नहीं है।

कोई लाभ नहीं: श्रमिकों को सवेतन छुट्टी, ओवरटाइम वेतन या चिकित्सा लाभ जैसे लाभ नहीं मिलते हैं।

नौकरी की असुरक्षा: रोजगार सुरक्षित नहीं है; श्रमिकों को बिना किसी नोटिस या कारण के बर्खास्त किया जा सकता है।

मौसमी कार्य: रोजगार अक्सर मौसम पर निर्भर करता है, और श्रमिकों को ऑफ-पीक अवधि के दौरान काम से निकाला जा सकता है।

अनौपचारिक नौकरियाँ: कई श्रमिक स्व-नियोजित हैं, जो स्ट्रीट वेंडिंग या मरम्मत कार्य जैसे छोटे-मोटे काम करते हैं।

नियोक्ता पर निर्भरता: रोजगार की स्थितियाँ नियोक्ता की सनक और ज़रूरतों से प्रभावित होती हैं।

कोई कानूनी सुरक्षा नहीं: काम करने की स्थितियों या लाभों से संबंधित नियमों या विनियमों का बहुत कम प्रवर्तन होता है।

2½+2½ =5

(ख) निजीकरण के सकारात्मक प्रभाव:

1.कौशल और उत्पादन में वृद्धि

2.सेवाओं की उन्नत गुणवत्ता

3.सरकार पर बोझ घटना

4. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

नकारात्मक प्रभाव:

1. लोक कल्याण का बहिष्कार - लाभ ही एकमात्र उद्देश्य

2.रोजगार की सुरक्षा की कमी

3. अमीर और गरीब के बीच बड़ा अंतर - बुनियादी सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण

4.सरकार की जवाबदेही कम हो जाती है

5. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

कोई भी 5 बिंदु स्वीकार किए जाएंगे। हालांकि, प्रतिक्रिया में कम से कम 2 सकारात्मक और 2 नकारात्मक प्रभाव शामिल किए जाने चाहिए)

38- प्रश्न संख्या 9 (सेक्शन क) और प्रश्न संख्या 19 (सेक्शन ख) के लिए नक्शा"